अध्याय पंचम

शोध सारांश एवं सुझाव

अध्याय पंचम

शोध सारांश एवं सुझाव

यह अध्याय संपूर्ण अध्ययन का संक्षिप्त चित्र प्रस्तुत करता है इस शोध कार्य में प्राथमिक शाला में कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षिकाओं कि शैक्षिक परिपक्वता तथा उनके कार्यों से उत्पन्न होने वाले तनावों के मध्य संबंध का अध्ययन किया गया।

प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य प्राथमिक शाला में कार्यरत शिक्षकों की शैक्षिक परिपक्वता एवं कार्यो से उत्पन्न तनावों का अध्ययन करना है। साथ ही शोध में उपयुक्त मुख्य चर शैक्षिक परिपक्वता तथा कार्यो से उत्पन्न तनाव के आधार पर शासकीय शालाओं तथा अशासकीय शालाओं में कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षिकाओं के इन पहलुओं का अध्ययन करना है।

5.1 न्यादर्श का चयन

प्रस्तुत शोध में न्यादर्श के चयन हेतु नागपुर जिले के दक्षिण नागपुर क्षेत्र स्थित प्राथमिक शालाओं में से 11 शालाओं यादच्छिक चयन विधि द्वारा किया गया। चयनित शालाओं में 5 शासकीय शालाए एवं 6 अशासकीय शालाओं का समावेश किया गया उपरोक्त 11 शालाओं में कार्यरत कुल 108 शिक्षकों में 73 शिक्षिकाए एंव 35 शिक्षक थे।

प्राथमिक शालाओं में कार्यरत 108 शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को यादच्छिक संख्या की तालिका का उपयोग करते हुये उसी अनुपात में 32 शिक्षिकाओं तथा 18 शिक्षकों का चयन किया गया जो प्रस्तुत अध्ययन के न्यादर्श थे इसी प्रकार कुल 50 प्राथमिक शिक्षकों के माध्यम से उनके शिक्षक परिपक्वता एवं कार्यो से उत्पन्न तनाव संबंधी आंकड़े एकत्र किये गये।

प्रस्तुत शोध में प्रदत्तों के संकलन हेतु दो उपकरणों का प्रयोग किया गया

- शैक्षिक परिपक्वता संबंधी प्रश्नावली
- कार्यो से उत्पन्न तनाव संबंधी अनुमतांक मापनी का प्रयोग किया गया।

प्रदत्तों के विश्लेषण हेतु मध्यमान मानक विचलन, 'टी' अनुपात तथा सहसंबंध गुणांक का उपयोग किया गया।

5.2 निष्कर्ष

प्रस्तुत लघुशोध में सांख्याकी का उपयोग करते हुए न्यादर्श के प्रदत्तों का संकलन एवं विश्लेषन करने के पश्चात निम्न निष्कर्ष प्राप्त किये गये।

- ❖ प्राथमिक शाला में कार्यरत शिक्षकों की शैक्षिक परिपक्वता एवं कार्यों से उत्पन्न तनाव के मध्य अल्प ऋणात्मक सहसंबंध पाया गया।
- ❖ प्राथमिक शाला में कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की शैक्षिक परिपक्वता में कोई अंतर नहीं है।
- ❖ शासकीय शालाओं में कार्यरत शिक्षक एवं अशासकीय शालाओं में कार्यरत शिक्षकों कि शैक्षिक परिपक्वता के मध्य अंतर पाया गया है।
- ❖ प्राथमिक शाला में कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षिकाओं में कार्यों से उत्पन्न तनाव के मध्य कोई अंतर नहीं पाया गया है।
- ❖ शासकीय प्रा. शाला में कार्यरत शिक्षकों एवं अशासकीय प्रा. शाला में कार्यरत शिक्षकों में कार्यो से उत्पन्न तनाव के आधार पर कोई अंतर नहीं पाया गया है।

5.3 सुझाव

☆ नये शिक्षिका एवं शिक्षकों की नियुक्ति की जानी चाहिये जिससे की कार्यरत शिक्षकों के कार्यों की अधिकता को कम किया जा सकें।

समय का योग्य निर्धारण कर कार्यो का विभाजन करना चाहिये।

☆ शाला अंतर्गत एवं बर्हिगत शैक्षिक कार्य विभाजन के संदर्भ में शिक्षक तथा शिक्षिकाओं की योग्यता तथा अनुभवों के आधार पर किया जाना चाहिये।

☆ शिक्षकों की शैक्षिक परिपक्वता बढ़ाने एवं कार्यो से उत्पन्न तनाव को कम करने के लिये अध्यापन पद्धति में नई तकनीकी का उपयोग किया जाना चाहिये।

☆ शासकीय शाला शिक्षकों एवं अशासकीय शाला शिक्षकों के वेतन मान में समानता होनी चाहिये।

5.5 भावी शोध हेतु सुझाव

- भविष्य के शोध हेतु प्रस्तावित लघुशोध प्रबन्ध की दिशा में ही आगे अध्ययन किया जा सकता है।
- शहरी और ग्रामीण शिक्षकों की शैक्षिक परिपक्वता तथा कार्यो से उत्पन्न तनाव का अध्ययन किया जा सकता है।
- कार्यो से उत्पन्न तनाव के कारण होने वाली समस्याओं के विषय में अध्ययन किया जा सकता हैं
- शैक्षिक परिपवक्तवा तथा कार्यो से उत्पन्न तनाव इन दो घटकों के आधार प्राथमिक, माध्यमिक तथा उच्च माध्यमिक शाला शिक्षकों के मध्य तुलनात्मक अध्ययन किया जा सकता है।